कमांक 456-ज(1)-82/13177--श्री अभी लाल, पुत्र श्री गंगा राम दत्त, गांव गोपाल वास, तहसील लोहारू, जिला भिवानी की दिनांक 7 मार्च, 1981 को हुई मृत्यु के परिणानस्यरूप हरियाणा के राज्यमाल, पूर्वीपंजाव युद्ध पुरस्कार अधिन्यम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अबीन प्रदान की गई शक्ति में ला प्रयोग करते हुए श्री अभी लाल को मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 1459-ज-III-70/10062, दिनांक 4 मई, 1970, अधिसूचना कनांक 5041-प्रार-- III-70/29504, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा अधिसूचना कमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक, 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमित पारवती के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 544-ज-(II)-82/13181.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आंज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री अंसमीहम्मद, पुत्र श्री तहरखान गांव गोहपूर, तहसील हथीन, जिला फरीदाबाद, को रबी, 1974 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

अमान 545-ज-(II)-82/13185.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुष्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संबोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौमे गए अधिकारों का ध्योग करते हुए हरियाणा के राज्य पाल श्री मान सिंह, पुत्र श्री राम लाल, गांव कार्ल्युर बांगर, तहसील बलवगढ़, जिला फरीदायाद को रवी, 1977 से खरीफ 1979 हम 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई भातों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 21 प्रश्रैल, 1982

क्रमांक 393-ज(I)-82/13648—श्री सीता राम, पुत्र श्री महासुख, गांव लावग, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 5 अप्रैल, 1981 को हुई मृत्यु के परिणास्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा रिजय में अपनाया गया है और उसमें आज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई मिक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सीता राम ो मुक्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1885-र-III-69/16356, दिनांक 2 जुलाई, 1979, अधिसूचना क्रमांक 5041-आर.-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/4404, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमित गिन्दोडी देवी के नाम खरीफ 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तगर्त प्रदान करते हैं।

दिनांक 3 मई, 1982

क्रमांक 610-ज-(II)-82/15333.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है श्रोर उसमें श्राज तक संबोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के श्रनुसार सीपे गये श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री तारा चन्द, पुत्र श्री उदमी राम, गांव भराना,, तहसील ब जिला रोहतक, को रबी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई मती के श्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 609-ज(11)-82/15349.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है मोर उसमें याज तक संगोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री पिरथी सिंह, पुत्र श्री नन्द राम, गांव डीघेल, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली पुद्ध जागीर सनद दी में गई शतों के भनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

टी० ग्रार० तुली, ग्रवर सचिव, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग।